RAF SECTOR

NEWS CLIP

06/12/18

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Dainik Jagran (Bulandshahar,UP)

पुलिस के रडार पर चिंगरावठी क्षेत्र के तीन गांव,

बवाल में चिंगरावठी, महाव व नयाबांस के ग्रामीणों के शामिल होने का आरोप, खाकी के डर से कई घरों में लटके मिले ताले

जागरण संवाददाता, बुलंदशहर: स्याना कोतवाली की पुलिस चौकी चिंगरावठी क्षेत्र के तीन गांव पुलिस के रडार पर हैं। इन गांवों के लोगों पर बवाल में शामिल होने का आरोप है। महाव व नयाबांस गांव में आरोपितों की तलाश में पुलिस का रातभर दबिश अभियान चला। पुलिस की दबिश के चलते ग्रामीणों में खाकी की दहशत पसरी हुई है। कुछ घरों पर ताले लगे हुए दिखाई दिए।

स्याना कोतवाली की चिंगरावठी क्षेत्र के गांव महाव में गोकशी को लेकर पुलिस चौकी पर हुए बवाल के बाद पुलिस के निशाने पर चिंगरावठी, महाव व नयाबांस गांव हैं। इसकी वजह ये है कि जिस खेत में गोकशी हुई है, वह खेत महाव के पूर्व प्रधान राजकुमार का है। मौके पर सबसे पहले महाव के ग्रामीण पहुंचे थे और उन्हीं की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। इसके बाद नया बांस गांव निवासी बजरंग दल के जिला संयोजक योगेश राज व अन्य ग्रामीण पहुंचे थे। योगेश राज की तरफ से नयाबांस निवासी सात लोगों के खिलाफ गोकशी करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

गोकशी के आरोपित इस गांव के होने के कारण पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी के लिए रात में दबिश अभियान चलाया। चिंगरावठी गांव पुलिस की लिस्ट में होने की वजह ये है कि बवाल के दौरान यहां के युवक सुमित की गोली लगने से मौत हुई। पुलिस का मानना है कि गोकशी से लेकर चिंगरावठी पर हुए पथराव, फायरिंग व आगजनी की घटना में अधिकतर लोग इन तीन गांवों के लिप्त रहे हैं। हालांकि पुलिस ने बवाल प्रकरण में जो रिपोर्ट दर्ज की है, उनमें 27 लोगों को तो नामजद किया गया है। उनमें गांव के नाम तो लिखे हैं, लेकिन अधिकतर के पिता के नाम अभी नहीं खुले हुए हैं। बवाल के बाद सोमवार रात को पुलिस ने गांव महाव व नयाबांस में पुलिस ने ताबड़तोड़ दबिश दी। इस दौरान कई लोगों को हिरासत में लेना बताया गया, हालांकि पुलिस ने इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं की। दिन के समय भी पुलिस गांवों के बाहर व आसपास ही तैनात रहकर निगरानी करती देखी गई।

स्याना क्षेत्र में गोकशी की घटना के बाद मंगलवार को चिंगरावठी क्षेत्र में गश्त करते आरएएफ के जवान • जागरण

पुलिस चौकी पर हुए बवाल का एक और वीडियो वायरल : चिंगरावठी पुलिस चौकी पर हुए बवाल प्रकरण को लेकर मंगलवार को एक और वीडियो वायरल हुआ है। एक मिनट 17 सेकंड के इस वीडियो में बवाल के दौरान कुछ लोग यह कह रहे हैं कि गोली मार दी रे गोली मार दी रे...। वीडियो में द लोग गाली-गलौज कर रहे हैं। वीडियो में एक युवक की छाती में गोली लगने पर उस कुछ युवक ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस युवक को सुमित बताया गया है। हालांकि वीडियो में गोली मारने वाले का नाम नहीं लिया गया है।

चिंगरावठी में फूंक-फूंककर कदम उठा रही पुलिस

चिंगरावठी गांव के युवक सुमित की बवाल के दौरान गोली लगने से मौत हो गई थी। इस गांव के लोगों में पुलिस के खिलाफ आक्रोश है। ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस गांव में घुसने की हिम्मत नहीं जुटा सकी और कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। इस वजह से पुलिस ने इस गांव में दबिश नहीं दी। पुलिस फूंक-फूंककर कदम उठा रही है।

खाकी के सायरन तोड़ रहे रात का सन्नाटा, ग्रामीणों में दहशत

पुलिस चौकी पर बवाल की घटना के बाद इन तीनों गांवों में पुलिस की दहशत के साथ सन्नाटा पसरा हुआ है। नया बांस व महाव में रात का पसरा सन्नाटा को पुलिस की गाड़ियों के सायरन व जवानों के बूट की ठक-ठक करती आवाज ही तोड़ रही थी। लोग घरों में दुबके रहे और बाहर नहीं निकले।

Hindustan (Bulandshahar,UP)

चौराहों पर सतर्क दिखी आरएएफ

बुलंदशहर। स्याना की घटना के बाद मंगलवार को चौराहों एवं अन्य संवेदनशील स्थानों पर पुलिस, आरएएफ और पीएसी बल सतर्क नजर आया। स्याना में सभी शिक्षण संस्थाएं भी बंद रखी गईं। जिले में छह कंपनी आरएएफ और छह कंपनी पीएसी बल तैनात कर दिया। इज्तमा कार्यक्रम में मेरठ, मुजफ्फरनगर, बागपत आदि जिलों से आए पुलिस बल को भी जिले में ही रोक लिया गया।

स्याना में फिर मिले गोवंश के अवशेष

बुलंदशहर। स्याना में लगातार दूसरे दिन मंगलवार को गोवंशीय पशु के अवशेष बरामद हुए। इससे ग्रामीणों में रोष फैल गया। सूचना मिलने पर पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया। तत्काल अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। अवशेषों को पुराना बताते हुए खेत में गड्ढा खुदवाकर दबा दिया गया।

मंगलवार सुबह गांव नयागांव के बाहर एक खेत में कुछ ग्रामीणों ने गोवंशीय पशुओं के अवशेष पड़े देखे। कुछ ही देर में मौके पर ग्रामीण एकत्र हो गए और उनमें रोष व्याप्त होने लगा। सूचना तत्काल ही पुलिस अधिकारियों को दी गई। स्याना सीओ सत्यप्रकाश शर्मा, एसडीएम अविनाश मौर्य, थाना प्रभारी बीबीनगर एवं अन्य अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रारंभिक जांच के आधार पर अवशेषों को पुराना बताया और ग्रामीणों को शांत किया। खेत में ही गड्ढा खुदवाकर अवशेषों को दबवा दिया गया।

Punjab Kesari (Delhi)

बुलंदशहर हिंसा में 'बजरंगी' फरार

दर्जनों पर एफआईआर और चार गिरफ्तार

पंजाब केसरी/बुलंदशहर

इंस्पेक्टर की हत्या में बजरंग दल, बीजेपी, वीएचपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बाद बजरंग दल के नेता योगेश राज को मुख्य आरोपी बनाया गया है तथा जांच तेजी से शुरू कर दी गई है। कुल 30 लोगों की पहचान पुलिस ने हमलावरों के रूप में की है और 60 से लोग भी शामिल किए गए हैं जो अज्ञात हैं। इसी बीच जांच अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर काम शुरू कर दिया है।

बुलंदशहर की स्याना कोतवाली में तैनात इंस्पेक्टर सुबोध कुमार की हत्या के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस संबंध में स्याना कोतवाली के सब इंस्पेक्टर सुभाष सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसमें बजरंग दल के जिला संयोजक योगेश राज, बीजेपी युवा स्याना के नगर अध्यक्ष शिखर अग्रवाल, वीएचपी कार्यकर्ता उपेंद्र राघव को भी किया नामजद किया है। गिरफ्तार लोगों में देवेन्द्र, चमन व आशीष शामिल हैं।

पुलिस ने इस मामले में दो अलग-अलग एफआईआर भी दर्ज की हैं। इनमें से एक एफआईआर इंस्पेक्टर सुबोध कुमार की हत्या के मामले में दर्ज की गई है। सुबोध कुमार की हत्या के मामले में बजरंग दल के नेता योगेश राज को मुख्य आरोपी बनाया गया है।

आरोपी की तलाश में 22 ठिकानों पर छापेमारी... वहीं, दूसरी एफआईआर गौकशी के मामले में दर्ज की गई है जिसमें सात लोगों के नाम हैं। इस मामले की जांच एसआईटी और एडीजी इंटेलिजेंस कर रहे हैं। आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की छह टीमों ने अब तक 22 ठिकानों पर छापेमारी की है।

बुलंदशहर हिंसा के अगले दिन मंगलवार को रैपिड एक्शन फोर्स के जवान तैनात रहे तथा (इनसेट में) पुलिस की गिरफ्त से बाहर बजरंग दल का जिलाध्यक्ष योगेशराज। (छाया : पीटी)

बहन ने ठुकराया 50 लाख का मुआवजा

इस बीच इंस्पेक्टर सुबोध सिंह की बहन मनीषा ने योगी सरकार द्वारा दिए जाने वाले पचास लाख का मुआवजा ठुकराए जाने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि मेरे भाई को पुलिस ने मारा है। उनके साथ कोई नहीं था, वह भाजपा और बजरंग दल के प्रदर्शनकारियों को रोकने का काम कर रहे थे। बस ड्यूटी निभाने में ही उनकी जान चली गई।

(पृष्ठ-11 भी देखें)

Nav Bharat Times (Delhi) & Hindustan (Meerut, UP)

बुलंदशहर में फिर मिले गोवंश के अवशेष

एनबीटी, बुलंदशहर : जहांगीराबाद के गांव अमरगढ़ में भट्टे पर गोवंश के अवशेष मिले हैं। हिन्दू संगठनों ने कई घंटे हंगामा किया और सड़क पर कब्जा जमा लिया। गांव टिटोटा के रहने वाले अरुण राघव ने जहांगीराबाद पुलिस को सूचना दी कि अमरगढ़ गांव के पास भट्टा है उसके पास तीन-चार लोग गोकशी कर रहे थे। हिन्दू संगठन के लोग सूचना पर मौके पर पहुंचे और उन्होंने जहांगीराबाद-अमरगढ़ रोड़ पर जाम लगा दिया, और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जाम लगा रहे लोगों को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

सिंगरावटी चौकी क्षेत्र में तैनात आरपीएफ के जवान। • हिन्दुस्तान

सीएम को आज सौंपी जा सकती है रिपोर्ट

लखनऊ। बुलंदशहर के स्याना थाना क्षेत्र में गोकशी की घटना के बाद भड़की हिंसा में इंस्पेक्टर समेत दो लोगों की मौत के मामले में एडीजी इंटेलीजेंस एसबी शिरडकर की जांच रिपोर्ट गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपी जा सकती है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर ही एडीजी इंटेलीजेंस को जांच के लिए बुलंदशहर भेजा गया था और उनसे 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया था। सूत्रों के अनुसार वह बुधवार को देर शाम लखनऊ वापस आ गए लेकिन डीजीपी ओपी सिंह के शहर से बाहर होने के कारण अपनी रिपोर्ट उन्हें नहीं सौंप सके। अब माना जा रहा है कि वह गुरुवार को अपनी रिपोर्ट डीजीपी को सौंपेंगे। डीजीपी के माध्यम से ही रिपोर्ट मुख्यमंत्री के पास जाएगी। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि जांच रिपोर्ट देखने के बाद बुलंदशहर के कुछ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई पर फैसला किया जाएगा।

The Hindu (Delhi)

Mob gathered fast, outnumbering the police

Inspector took on rioters, but was overpowered and shot with his own firearm

JATIN ANAND
BULANDSHAHR

A handful of police personnel deployed at an intersection of four villages were caught unawares on Monday and, according to eyewitnesses, were ill-equipped to fend off a mob, enraged by the alleged slaughter of 25 cows at Mahav in Bulandshahr district.

The policemen had locked themselves inside the Chingravati outpost fearing for their lives.

The mob frenzy over the discovery of the cow carcasses on a sugar cane field, led to the death of Subodh Kumar Singh, Station House Officer of the Syana police station, and Sumit.

Sumit was a resident of Chingravati village opposite the police outpost of the same name.

A mob of 300 to 400 armed with sticks, swords and firearms descended upon it around 1.35 p.m. Residents of Mahav, where the carcasses were found, alleged Bajrang Dal and Hindu Vahini activists provided the arms.

Tension in the air: Rapid Action Force personnel manning the violence-hit area near the Chingravati police outpost in Bulandshahr district of Uttar Pradesh on Tuesday. • R.V. MOORTHY

Phones snatched

Mr. Singh, according to a police source, chose to confront the rioters head-on only to be overpowered, have his service weapon, phones and walkie-talkie snatched from him before being shot dead with his own firearm.

Ranjeet Kumar (name changed on request), who is employed as a Home Guard with the local traffic police and resides at Mahav, blamed "the police for firing the first shot".

"I was still in uniform and at the police outpost when the incident occurred, the Inspector (Mr. Singh) fired the first shot ... After he was killed, all the police personnel including the Circle Officer, locked themselves inside the outpost. The police backup which arrived later had to cut through the iron mesh of the ventilation at the rear to rescue them after chasing away the mob," he said.

"The Inspector was confronting Yogesh Raj (the prime accused in the case and a local Bajrang Dal leader) when someone threw a stone at him from the sugar cane field opposite the outpost as he was firing warning shots in the air. He thought it was Sumit who had attacked him with the stone. Suddenly, he pointed his gun at Sumit and shot him, point blank," Mr. Kumar said.

No weapons

"No we did not have any weapons ... It's not like we don't have service weapons assigned to us ... we have 10 to 15 armed personnel ... but we didn't have them at the time. But we did have sticks and batons but they were of no use. In any case, we couldn't have used our weapons against the rioters because there was no clearance or order to do so from the leadership (of the force)," said constable Mahesh Chand, who witnessed the incident.

Yogesh Raj, who approached the police with initial information about the alleged slaughter of the cows at a field in Mahav village, adjacent to his own village of Naya Bans, claimed in his complaint he had witnessed the slaughter of the cattle.

According to Preeti Kumari, however, on whose sugar cane field the carcasses were discovered, her husband Raj Kumar got word about "cow entrails" on his field around 7 a.m., following which local residents decided to "bury the remains and the matter" but the mob "decided against it."

Minors booked for cow slaughter?

OMAR RASHID
LUCKNOW

The Uttar Pradesh police are alleged to have booked two minors among the seven Muslims charged with cow slaughter from Naya Bans village in Bulandshahr.

In a video clip from Bulandshahr, Yasin Khan of Naya Bans said police had come to his house in search of his son and nephew, who have been named as accused.

"I was taken to the thana (police station), they kept me there for four hours, and made me write their names [of the boys] and took my phone number," he said.

Mohammad Hussain, another resident of Naya Bans, corroborated the allegation saying the police had come to Mr. Khan's house.

Mr. Hussain, who runs a garment shop, further said his younger brother Sharifuddin had been named accused in the case. Mr. Hussain said his brother was attending the Ijtema, a Muslim congregation being held in Bulandshahr, over the weekend.

SSP, Bulandshahr, Krishna B. Singh refused to respond to the allegation and said: "We are verifying the facts."

Starting young in the cause of cow

SPECIAL CORRESPONDENT
BULANDSHAHR

The man accused of inciting a riot after the discovery of over two dozen cow carcasses on a sugar cane field at Mahav village is a law student in his early 20s.

A poster of Akhand Bharat, or Undivided India, is at the entrance of the way to Yogesh Raj's residence at Naya Bans village.

Hailed as a "local hero" who has taken up cow protection, Raj "officially joined" the Bajrang Dal only three years ago following which he was chosen to head its district unit.

"They (the police) are coming after him now when he did nothing wrong but report the [illegible] people have [illegible] him in public for his service to the cause of cow [illegible]. [illegible] he has been rewarded for [illegible] capturing cow smugglers [illegible]

Photos of Deployment/ Fam-Ex of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।